लगन लगी की करिये हून लगन लगी

लगन लगी की करिये हून लगन लगी
ना जी सकिये न मारिये अब लगन लगी,
लगन लगी की करिये हून लगन लगी

तुम सुनो हमारे बेना मोहे रात दिने नही चैना,
हूँ पी बिन पलक न सरिये न जी सकिये न मरिये,
लगन लगी की करिये हून लगन लगी

पल्ले पई मुसीबत भारी कोई करो हमारी कारी,
एहो जे दुःख कैसे चरिये न जी सकिये न मरिये,
लगन लगी की करिये हून लगन लगी

है अगन की रोहदी जारी कोई हमरी प्रीत निवारी,
बिन दर्शन कैसे तरिये ना जी सकिये न मरिये,
लगन लगी की करिये हून लगन लगी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18306/title/lagan-lagi-ki-kariye-hun-lagan-lagi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |